MP Board Class 10th Sanskrit Solutions Durva Chapter 16 ब्रह्मवादिनी मैत्रेयी

प्रश्न 1.
एकपदेन उत्तरं लिखत-(एक पद में उत्तर लिखिए)।
(क) भारतीयसमाजे का सदैव पूज्या अस्ति? (भारतीय समाज में कौन हमेशा पूजनीय है?)
उत्तर:
नारी (स्त्री)

(ख) मैत्रेयी कस्य पत्नी आसीत्? (मैत्रेयी किसकी पत्नी थी?)
उत्तर:
याज्ञवल्क्यस्य (याज्ञवल्क्य की)

(ग) जनकः सीताम् अध्यापयितुं कां नियोजितवान्?
(जनक ने सीता को पढ़ाने के लिए किसे नियुक्त किया?)
उत्तर:
मैत्रेयीम् (मैत्रेयी को)

(घ) आश्रमव्यवस्था का पश्यति स्म? (आश्रम की व्यवस्था कौन देखती थी?)
उत्तर:
कात्यायनी (कात्यायनी)

(ङ) सर्वस्य जलस्य आधारः कः? (सारे जल का आधार क्या है?)
उत्तर:
समुद्रः (समुद्र)

प्रश्न 2.
एकवाक्येन उत्तरं लिखत-(एक पाक्य में उत्तर लिखिए)
(क) देवताः कुत्र रमन्ते? (देवता कहाँ खुश होते हैं?)
उत्तर:
यत्र नार्यः पूज्यन्ते देवताः तत्र रमन्ते। (जहाँ नारियों की पूजा होती है, वहाँ देवता खुश होते हैं।)

(ख) मैत्रेयी सीतां केषां ज्ञानं दत्तवती? (मैत्रेयी ने सीता को किसका ज्ञान दिया?)
उत्तर:
मैत्रेयी सीतां वेदानां संस्काराणाम् इन्द्रियनिग्रहस्य च ज्ञानं दत्तवती। (मैत्रेयी ने सीता को वेदों, संस्कारों और इन्द्रियों के संयम का ज्ञान दिया।)

(ग) धनेन किं न प्राप्यते। (धन से क्या नहीं मिलता?)
उत्तर:
धनेन अमृतत्वं न प्राप्यते। (धन से अमृतत्व प्राप्त नहीं होता।)

(घ) अमृतत्वस्य साधनं किम्? (अमृतत्व का साधन क्या है?)
उत्तर:
अमृतत्वस्य साधनम् आत्मसाक्षात्कारः आस्त। (अमृतत्व का साधन अपने को जानना है।)

(ङ) कः मुक्तिं प्राप्तुं न शक्नोति? (कौन मुक्ति प्राप्त नहीं कर सकता?)
उत्तर:
यः सर्वाणि भूतानि आत्मनः भिन्नानि पश्यति सः मुक्तिं प्राप्तुं न शक्नोति। (जो सब प्राणियों की आत्मा को भिन्न देखता है, वह मुक्ति प्राप्त नहीं कर सकता।)

प्रश्न 3.
अधोलिखितप्रश्नानाम् उत्तराणि लिखत-(नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर लिखिए-)
(क) देवताः कुत्र रमन्ते? कुत्र न रमन्ते? (देवता कहाँ खुश होते हैं? कहाँ नहीं?)
उत्तर:
यत्र नार्यः पूज्यन्ते, देवता तत्र रमन्ते। यत्र ताः अपमानिताः भवन्ति, तत्र न रमन्ते। (जहाँ नारियों की पूजा होती है, वहाँ देवता खुश होते हैं, जहाँ उनका अपमान होता है, वहाँ वे खश नहीं होते।)

(ख) उपनिषत्काले भारते नारीणां दशा कीदृशी आसीत्? (उपनिषद् के समय में भारत में नारियों की दशा कैसी थी?)
उत्तर:
उपनिषत्काले स्त्री शिक्षायाः महत्वम् अधिकम् आसीत्। ताः वेदाध्ययनम् अपि कुर्वन्ति स्म। तासाम् उपनयन संस्कारः अपि भवति स्म।
(उपनिषद् काल में स्त्री शिक्षा का महत्व बहुत अधिक था। वे वेदों का अध्ययन भी करती थीं। उनका उपनयन संस्कार भी होता था।)

(ग) याज्ञवल्क्यः मैत्रेयीं कात्यायनी च आहूय किम् उक्तवान्? (याज्ञवल्क्य ने मैत्रेयी और कात्यायनी को बुलाकर क्या कहा?)
उत्तर:
याज्ञवल्क्यः मैत्रेयीं कात्यायनी च आहूय उक्तवान् यत्-"अद्य अहं गृहस्थाश्रमं त्यक्त्वा संन्यासाश्रमं स्वीकरोमि। मम गमनादनन्तरं युवयोर्मध्ये कलहः मा भवतु। अतः सम्पत्ति विभाजनं कृत्वा एव गच्छामि" इति।

(याज्ञवल्क्य ने मैत्रेयी और कात्यायनी को बुलाकर कहा-"आज मैं गृहस्थाश्रम छोड़कर संन्यासाश्रम ले रहा हूँ। मेरे जाने के बाद तुम दोनों के बीच झगड़ा न हो। इसलिए सम्पत्ति का विभाजन करके ही जाऊँगा।")

प्रश्न 4.
प्रदत्तशब्दैः रिक्तस्थानानि पूरयत-(दिए गए शब्दों से रिक्त
स्थान भरिए-)
(अद्वितीयं, आत्मा, मैत्रेयी, अमृतत्वस्य, वेदाध्ययन)
(क) सर्वेषु शरीरेषु..... एक एव।
(ख) मैत्रेयी..... कुर्वती आसीत्।

https://www.evidyarthi.in/

(ग) एकमेव .....परब्रह्म।
(घ) याज्ञवल्क्यात् ..... ब्रह्मज्ञानं प्राप्तवती।
(ङ) आत्मसाक्षात्कारः एव ..... साधनम्
उत्तर:
(क) आत्मा
(ख) वेदाध्ययनं
(ग) अद्वितीयं
(घ) मैत्रेयी
(ङ) अमृतत्वस्य।

प्रश्न 5.
शुद्धवाक्यानां समक्षम् 'आम्' अशुद्धवाक्यानां समक्षम् 'न' इति लिखत
(शुद्ध वाक्यों के सामने 'आम्' तथा अशुद्ध वाक्यों के सामने 'न' लिखिए-)
(क) आत्मा एव अखिलविश्वस्य आधारः अस्ति।
(ख) धनेन अमृतत्वं प्राप्यते।
(ग) वैदिककाले नारी शिक्षिता आसीत्।।
(घ) उपनिषत्काले नारीणाम् उपनयनसंस्कारः अपि क्रियते स्म।।
(ङ) कात्यायनी सीतां ज्ञानं दत्तवती।
उत्तर:
(क) आम्:
(ख) न:
(ग) आम्:
(घ) आम्:
(ङ) न।

प्रश्न 6.
अधोलिखितशब्दानां मूलशब्दं विभक्तिं वचनं च लिखत
(नीचे लिखे शब्दों के मूलशब्द, विभक्ति और वचन लिखिए-)

शब्दः	मूलशब्दः	विभक्तिः	वचनम्
यथा– संस्कारैः	संस्कार	तृतीया	बहुवचनम्
(क) समुद्रे			
(ख) सर्वस्य			
(ग) एतेषाम्			
(घ) पत्युः			

उत्तर:

शब्दः	मूलशब्दः	विभक्तिः	वचनम्
(क) समुद्रे	समुद्र	सप्तमी	एकवचनम्
(ख) सर्वस्य	सर्व	षष्ठी	एकवचनम्
(ग) एतेषाम्	एतत्	षष्ठी	बहुवचनम्
(घ) पत्युः	पति	पंचमी/षष्ठी	एकवचनम्

प्रश्न 7.
अधोलिखितशब्दानां धातुं लकारं च लिखत
(नीचे लिखे शब्दों के धातु और लकार लिखिए-)

शब्दः	धातुः	लकारः
यथा– भवति	भू(भव्)	लट्लकारः
(क) ज्ञायते		
(ख) तिष्ठति		
(ग) पश्यति		
(घ) शक्नोति		

उत्तर:

शब्दः	धातुः	लकारः
(क) ज्ञायते	ज्ञा	लट् लकारः (आत्मने.)
(ख) तिष्ठति	स्था (तिष्ठ्)	लट् लकारः
(ग) पश्यति	दृश् (पश्य)	लट् लकारः
(घ) शक्नोति	शक्	लट् लकारः

प्रश्न 8.
अधोलिखितशब्दानां धातुं प्रत्ययञ्च पृथक कुरुत
(नीचे लिखे शब्दों के धातु और प्रत्यय अलग कीजिए-)

शब्दः	धातुः	प्रत्यय
यथा– ज्ञात्वा	ज्ञा	क्त्वा
(क) अधिगन्तुम्		
(ख) कृतवान्		
(ग) विचिन्त्य		
(घ) त्यक्त्वा		

उत्तर:

https://www.evidyarthi.in/

	शब्दः	धातुः	प्रत्ययः
(क)	अधिगन्तुम्	अधि+गम्	तुमुन
(ख)	कृतवान्	कृ	क्तवतु
(ग)	विचिन्त्य	वि+चिन्त्	ल्यप्
(घ)	त्यक्त्वा	त्यज्	क्त्वा

प्रश्न 9.
अधोलिखितशब्दानां पर्यायशब्दान् लिखत
(नीचे लिखे शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए-)
यथा- नारीणाम् – स्त्रीणाम्
(क) सङ्कटकाले
(ख) उपनयनसंस्कारः
(ग) समुद्रे
(घ) पतिः
उत्तर:
(क) सङ्कटकाले – आपत्तिकाले/आपत्काले
(ख) उपनयनसंस्कारः – यज्ञोपवीतसंस्कारः
(ग) समुद्रे – सागरे
(घ) पतिः – भर्ता, स्वामी

प्रश्न 10.
अव्ययैः वाक्यनिर्माणं कुरुत-(अव्ययों से वाक्य बनाइए-)
यथा- यदा-तदा – यदा रामः पठति तदा कृष्णः पठति
(क) कृते
(ख) एव
(ग) बहिः
(घ) यत्र।
उत्तर:
(क) कृते – अहम् तव कृते कार्यं करोमि। (मैं तुम्हारे लिए काम करता हूँ।)
(ख) एव – रामः एव नृपः अभवत्। (राम ही राजा बने।)
(ग) बहिः – ग्रहात् बहिः वृष्टिः भवति। (घर के बाहर वर्षा हो रही है।)
(घ) यत्र – यत्र त्वम् कथयिष्यसि वयं तत्र गमिष्यामः (जहाँ तुम कहोगे हम सब वहीं चलेंगे।)